रामकृष्णा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
त्रैमासिक आवधिक परीक्षा - II (2018-19)
कक्षा-पाँच - प्रश्नकोष
विषय - हिंदी

अपठित गद्यांश खण्ड - क

हँसी एक ऐसी औषधि है जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे शरीर पर होता है। इससे कोशिकाओं और अंगों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुचारू रूप से होती है और यदि कहीं ऑक्सीजन का स्तर कम या ज्यादा है तो हँसने से वह सामान्य हो जाता है। खुलकर हँसने से मन मस्तिष्क और शरीर में ताजगी भर जाती है। हर दिन में दो बार खुलकर हँसना, 15 बार दबी हुई हँसी हँसने के बराबर होता है। इसीलिए खुल कर हँसना चाहिए। हँसने से दिल का दौरा पड़ने का खतरा भी कम होता है। यदि हम प्रसन्नता और मुस्कान के साथ सभी से मिलते हैं और छोटी-छोटी बातों पर हँसी-मज़ाक करते हैं तो सभी हमारे साथ रहना पसंद करते हैं। पर हमें इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि हमारे मज़ाक से किसी को दुख न पहुँचे। हमें सदैव अपने व्यवहार से दूसरों को खुश रखने का प्रयास करना चाहिए।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3x1=3)

प्र०-1 खुलकर हँसने से किसमें ताजगी भर जाती है?
प्र०-2 हमें कैसे हँसना चाहिए खुलकर या दबकर?
प्र०-3 सदैव किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

अपठित गद्यांश

एक दिन तेनालीराम ने देखा कि उसके घर के आस-पास कुछ चोर घूम रहे हैं। वह उनका इरादा समझ गया। उसने चारों को सुनाते हुए अपनी पत्नी से कहा, "देखो, आजकल चोरों का बड़ा ज़ोर है। अपने पास रुपया-पैसा और जो कीमती सामान है उसे एक बड़े संदूक में भर दो। मैं उसे बाग के कुएँ में छिपा दूँगा।" चोरों ने यह सुना तो बड़े प्रसन्न हुए। तेनालीराम ने एक संदूक लेकर उसमें ईंट-पत्थर भरे और उसने घर से लगे बगीचे में बने कुएँ में वह संदूक डाल दिया। रात होने पर चोर कुएँ पर आए, लेकिन किसी की भी कुएँ में घुसने की हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने एक उपाय सोचा। वे तीन बाल्टियाँ ले आए और कुएँ से पानी निकालने लगे। रात-भर वे पानी निकालते रहे। सवेरा होने पर पकड़े जाने के डर से चोर वहाँ से भागने लगे। तभी तेनालीराम वहाँ आ पहुँचा और चोरों से बोला, "भैया, मेरा धन्यवाद तो लेते जाओ, तुम लोगों ने रात-भर मेरे बगीचे में पानी दिया है।"

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3x1=3)

प्र०-1 एक दिन तेनालीराम ने क्या देखा?
प्र०-2 कीमती सामान से भरे संदूक को तेनालीराम ने कहाँ छिपाने को कहा?
प्र०-3 चोर रात भर क्या करते रहे?

अपठित गद्यांश

एक बार राजेंद्र बाबू चरखा कातते समय सामने प्लेट में रखी किशमिश के दाने खा रहे थे। तभी कहीं से कोई चींटा आकर उस प्लेट पर चढ़ गया। राजेंद्र बाबू ने उसे हटाने के लिए अपनी उँगली से छिटक दिया। चींटा थोड़ी दूर जाकर गिरा और छटपटाकर मर गया। राजेंद्र बाबू बहुत दुखी हुए। राजेंद्र बाबू ने महात्मा गाँधी जी से इस घटना का उल्लेख किया और पूछा कि क्या उनसे यह हिंसा हो गई थी? गाँधी जी ने कुछ देर सोचकर कहा, "तुमने मात्र चींटे को हटाने के लिए उँगली से छिटका था। तुम्हारा उसे मारने का कोई इरादा नहीं था, इसलिए तुमने कोई हिंसा नहीं की। तुम्हें उसकी मृत्यु का दुख है, यही इसका प्रमाण है।" गाँधी जी का मत था कि हिंसा मन से शुरू होती है, वाणी उसे प्रकट करती है और शरीर उसे कार्यरूप देता है। उस चींटे की मृत्यु में न मन साथ था, न वाणी और कर्म भी हिंसा के उद्देश्य से नहीं था। शारीरिक शक्ति ही नहीं, मन और वचन भी हिंसा के साधन हैं। (3 X 1 = 3)

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्र०-1 चरखा कौन कात रहा था?

प्र०-2 हिंसा कहाँ से शुरू होती है?

प्र०-3 चींटे को हटाने के लिए उन्होंने क्या किया?

अपठित गद्यांश

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के बिना मनुष्य रह ही नहीं सकता। समाज में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का अपना स्वभाव होता है। उनमें से अच्छे स्वभाव के लोगों के साथ रहना 'सत्संगति' कहलाता है। हम जैसी संगति में रहते हैं वैसा प्रभाव हमारे मन पर पड़ता है। अच्छे मनुष्यों के साथ रहने से अच्छे विचार आते हैं, अच्छी आदतें बनती हैं। अच्छी आदतों से व्यक्ति को समाज में उचित स्थान एवं सम्मान मिलता है। यदि हम बुरी सगति में रहें तो खराब आदतें पनपेंगी। बुरे लोगों का साथ हमें बुरी आदतों का दास बना देता है। इसलिए हमें सदा सत्संगति में रहना चाहिए। विद्यार्थियों को सदा सोच-विचार कर ही मित्र बनाने चाहिए। सत्संगति में ही असीम आनंद का अनुभव होता है। (3 X 1 = 3)

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्र०-1 किसके बिना मनुष्य नहीं रह सकता?

प्र०-2 अच्छे स्वभाव के लोगों के साथ रहना क्या कहलाता है?

प्र०-3 बुरे लोगों का साथ हमें किसका दास बना देता है?

अपठित गद्यांश

एक गुरु के अखाड़े में अस्त्र-शस्त्र की विद्या दी जाती थी। वहाँ दूर-दूर से नौजवान सीखने आते थे। उनमें से लक्ष्मण नाम का एक शिष्य गुरु का विशेष प्रिय था, क्योंकि तलवारबाज़ी में वह सबसे होशियार और फुरतीला था। शिक्षा प्राप्त करने के बाद उसने तलवारबाज़ी में काफ़ी नाम कमाया, लेकिन उसके मन में एक ही दुख था कि इतनी शोहरत के बाद भी लोग उसे गुरु के शिष्य के रूप में जानते थे। सारा यश उसे नहीं, गुरु को मिलता था। एक बार उसने सोचा कि यदि वह गुरु को पराजित कर दे तो लोग गुरु को भूलकर उसे याद करने लगेंगे। एकदिन उसने गुरु जी से कहा, "गुरु जी, मैंने कुछ ऐसी विद्याएँ सीख ली हैं कि आप अचरज में पड़ जाएँगे। आपसे युद्ध करके मैं अपना कौशल आपको दिखाना चाहता हूँ।" गुरु समझ गए कि शिष्य अहंकार में अंधा हो गया है।

(3 X 1 = 3)

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र०1 गुरु के अखाड़े में किसकी विद्या दी जाती थी?

प्र०2 लक्ष्मण किसमें सबसे होशियार और फुरतीला था?

प्र०3 गुरु शिष्य के बारे में क्या समझ गए थे?

अपठित गद्यांश

कुछ लोग परिश्रम की अपेक्षा भाग्य को महत्त्व देते हैं। उनका कहना है कि जो भाग्य में होगा अवश्य मिलेगा, इसलिए दौड़-धूप करना व्यर्थ है। परंतु आलसी बनकर बैठे रहना और असफलता के लिए भाग्य को कोसना किसी प्रकार भी उचित नहीं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को बदल सकता है। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार और चरित्रवान होता है। परिश्रम के द्वारा ही मनुष्य अपनी, परिवार की, जाति की तथा राष्ट्र की उन्नति में सहयोग दे सकता है। अतः परिश्रम करने की प्रवृत्ति मनुष्य को विद्यार्थी जीवन से ही ग्रहण करनी चाहिए।

(3 X 1 = 3)

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र०1 कुछ लोग परिश्रम की अपेक्षा किसे महत्त्व देते हैं?

प्र०2 परिश्रमी व्यक्ति कैसे होते हैं?

प्र०3 परिश्रम के द्वारा मनुष्य किसकी उन्नति में सहयोग दे सकता है?

खण्ड - घ

अनुगूँज

शब्दार्थ (2 X 1 = 2)

पाठ - 9 बिना पटाखे दीपावली

1- जिलो
2- प्रांत
3- सर्वश्रेष्ठ
4- विस्फोट
5- उद्घाटन
6- दस्ता
7- हताश
8- आतंकवादी
9- निर्विघ्न
10- जागरूक

पाठ - 10 मेरी शिखर यात्रा

1- शिखर
2- आरोहण
3- आश्वस्त
4- दृश्यता
5- आनंदित
6- श्रेष्ठता
7- प्रतिष्ठित
8- प्रदान
9- घोषणा

पाठ - 11 मेरा नया बचपन

1- निर्भय
2- स्वच्छंद
3- अतुलित
4- सुधा
5- मंजुल
6- चीथड़े
7- किलकारी
8- नवजीवन

लघु प्रश्न (3×1=3)

पाठ - 9 - बिना पटाखे दीपावली

प्र०-1 प्रसेनजित कौन था?

प्र०-2 'शेख' कौन था और क्या कर रहा था?

प्र०-3 अनुजा ने झाड़ियों में क्या देखा?

प्र०-4- मोबाइल फोन किसका था? वो क्या करना चाहता था?

प्र०-5- जब अनुजा ने फोन की डाइरेक्ट्री खोली तो क्या हुआ?

प्र०-6 प्रसेनजित और अनुजा ने मोबाइल फोन की सूचना किसे दी?

प्र०-7 बच्चे मोबाइल पर दीवाली के पटाखे लगाने की बात सुनकर हैरान क्यों थे?

प्र०-8 स्टेडियम का उद्घाटन करने कौन आने वाला था?

प्र०-9 स्टेडियम में कितने बम लगाए गए थे?

प्र०-10 चौधरी साहब ने प्रसेनजित और अनुजा के बारे में क्या कहा?

पाठ - 10 मेरी शिखर यात्रा

प्र०-1 एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?

प्र०-2 बछेंद्री पाल ने साउथ कोल से अपनी यात्रा किसके साथ शुरू की?

प्र०-3- ऑक्सीजन की आपूर्ति किसने बढ़ाई?

प्र०-4- बर्फ की चट्टानें कैसी थी?

प्र०-5- दक्षिणी शिखर के ऊपर दृश्यता नहीं के बराबर क्यों हो गई?

प्र०-6 बछेंद्री पाल एवरेस्ट की चोटी पर किस समय पहुँची?

प्र०-7 बछेंद्री पाल ने शिखर पर पहुँचकर बर्फ में क्या दबाया था?

प्र०-8- शिखर पर पहुँचने पर कर्नल खुल्लर ने बछेंद्री पाल से क्या कहा?

प्र०-9 बछेंद्री पाल को कौन-कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?

प्र०-10 पाठ में 'मैं' कौन है? वह कहाँ जा रही है?

पाठ - 11 मेरा नया बचपन

प्र०-1 कवयित्री को बार-बार किसकी याद आती है?

प्र०-2 कवयित्री ने सूना घर कैसे आबाद किया?

प्र०-3 बचपन में कवयित्री को किसका ज्ञान नहीं था?

प्र०-4- कवयित्री बचपन का अतुलित आनंद किसमें देखती है?

प्र०-5. बचपन में रोने पर कौन जयमाला पहनाते थे?

प्र०-6 कवयित्री को अपना घर नंदन वन सा कब प्रतीत हुआ ?
प्र०-7 'मेरा नया बचपन' कविता किसने लिखी है ?
प्र०-8 कवयित्री की बेटी क्या लाई थी ?
प्र०-9 'जीवन की सबसे मस्त खुशी' किसे कहा गया है ?
प्र०-10 बचपन में कवयित्री ने किसके कुल्ले किए थे ?

दीर्घ प्रश्न (2 x 2 = 4)

पाठ - 9 - बिना पटाखे दीपावली

प्र०-1 प्रसेनजित स्टेडियम में क्या कर रहा था और क्यों ?
प्र०-2 अनुजा ने मोबाइल फोन के मालिक को ढूंढने का क्या उपाय बताया ?
प्र०-3 आतंकवादी कहाँ धमाका करना चाहते थे और क्यों ?
प्र०-4 बम कैसे खोज निकाले गए ? बम कहाँ-कहाँ मिले ?
प्र०-5 स्टेडियम में क्या होने वाला था ?
प्र०-6 'पुलिस के कुत्ते' व 'बम खोजी दस्ता' के बारे मे आप क्या जानते हैं।

पाठ - 10 मेरी शिखर यात्रा

प्र०-1 अंगदोरजी क्यों आश्चर्यचकित और आनंदित हो गए थे ?
प्र०-2 बछेंद्री पाल के लिए यात्रा कब आसान हो गई थी ?
प्र०-3 यात्रा में बछेंद्री पाल की साँसें कब रुक सी गई थी ?
प्र०-4 एवरेस्ट की चोटी पर पहुँच कर बछेंद्री ने क्या महसूस किया और क्यों ?
प्र०-5 शिखर से साउथ कोल तक की यात्रा में बछेंद्री को कितना समय लगा ?
प्र०-6 अपने जीवन का लक्ष्य लिखो।

पाठ - 11 - मेरा नया बचपन

प्र०-1 कवयित्री बचपन का अतुलित आनंद किसमें देखती है ?
प्र०-2 जब कवयित्री रोती थी तब उसकी माँ क्या करती थी ?
प्र०-3 कवयित्री बचपन में क्या-क्या करती थी ?
प्र०-4 क्या कवयित्री को अपना बचपन वापस मिला ! कैसे ?
प्र०-5 बचपन के दिन अनमोल होते है ? कैसे ?
प्र०-6 'भाग गया था मुझे छोड़कर वह बचपन फिर से आया' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

नैतिक शिक्षा (3 x 1 = 3)

पाठ – 7 - सदा सतर्क रहे

प्र० 1 सोनिया ने बाजार में क्या देखा?

प्र० 2 सोनिया को सबसे अधिक कौन सा खिलौना पसंद आया था?

प्र० 3 बैंच पर गुड़िया कौन छोड़ गया था?

प्र० 4. गुड़िया में क्या लगा था?

प्र० 5. एक बड़ी दुर्घटना कैसे टल गई?

प्र० 6 सोनिया ने बैंच पर पड़ी गुड़िया को क्यों नही उठाया?

प्र० 7 अध्यापिका ने बच्चों को क्या सिखाया था?

प्र० 8 हमे लावारिस पड़ी वस्तुओं के साथ क्या करना चाहिए?

पाठ – 8

सत्य की सदैव जीत होती है

प्र० 1 आर्यव्रत किस राज्य का राजा था?

प्र० 2 राजा प्रतिदिन कहाँ जाता था?

प्र० 3 राजा अपने पुत्र के लिए कैसा मंत्री चाहता था?

प्र० 4 दरबारियों के जवाब से खुश होकर राजा ने उन्हें ईनाम में क्या दिया?

प्र० 5 दरबार में कौन चुप बैठा रहा?

प्र० 6 भवानी सिंह ने राजा से भी महान किसे बताया?

प्र० 7 किस प्रकार का व्यक्ति किसी से नहीं डरता?

प्र० 8 राजा ने अपने पुत्र के लिए किसे मंत्री चुना?

अंक योजना - कुल अंक-25

त्रैमासिक अवधिक परीक्षा - II (2018-19)

(खण्ड - क)

अपठित गद्यांश - 3 X 1 = 3

(खण्ड - ख)

अनुच्छेद - 3 X 1 = 3

(खण्ड - ग)

व्याकरण - 7 X 1 = 7

(खण्ड - घ)

MCQ. - 3 X 1 = 3

शब्द/अर्थ वाक्य सहित 2 X 1 = 2

लघु प्रश्न 3 X 1 = 3

दीर्घ प्रश्न 2 X 2 = 4

25